ई - वेस्ट

ई वेस्ट क्या है ?

- इलेक्ट्रानिक कचरा इससे आशय किसी विद्युत या इलेक्ट्रानिक उपकरण से है जो पुराना (वेस्ट,टूटा, फूटा, खराब या बेकार) होने कारण परित्यक्त हो या फेंक दिया गया हो जैसेपी.सी (पर्सनल कम्प्यूटर) टी.वी.,रेडियो,मोबाइल फोन,एयर कंडीशन, ई.सी.जी. मशीन इत्यादि ।

ई - वेस्ट के स्त्रोत

घरों में

- पी.सी
- टी.वी
- रेडियो
- मोबाइल
- वाशिंग मशीन
- पंखा

अस्पताल में

- पी.सी
- मॉनिटर
- ई.सी.जी. मशीन
- माइक्रोस्को
- इनक्यूबेटर

उद्योगों में

- बायलर
- मिक्सर
- सिंग्नल जनरेटर
- इनक्यूबेटर

ई वेस्ट से होने वाले दुष्परिणाम :-

पर्यावरण में

- भूमिगत जल का प्रदूषण
- मिट्टी का अम्लीकरण
- वायु प्रदुषण
- ई वेस्ट के कारण लैंडफिल में 40 प्रतिश लेड एवं 75 प्रतिशत धातु पाया गया है

मनुष्य के स्वास्थ्य में

- डी.एन.ए. को क्षति
- फेफड़े का कैंसर
- हृदय,लीवर, एवं प्लीहा को क्षति
- मस्तिष्क को क्षति
- दमा

ई वेस्ट सम्बंधित रोचक तथ्य?

- 50 मिलियन टन ई-वेस्ट प्रतिवर्ष निर्मित होता है ।

  पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के अनुसार केवल 15-20 प्रतिशत ई-वेस्ट रीसायकल हो पाते हैं जबकि बकि ई-वेस्ट गड्ढो एवं इन्सिनेटर (कचडा भट्टी में चले जाते हैं ।
- मोबाई फोन और बाकि इलेक्ट्रनिक उपकरणों में अत्यधिक मात्रा में बहुमूल्य धातु पाए जाते हैं जैसे-सोना एवं चांदी । परितिवर्ष 1 मिलियन मोबाइल फोन जो रीसायकल होते हैं उनसे 35,274 एल.बी.एस. तांबा, 772 एल.बी.एस. चांदी, 75 एल.बी.एस. सोना एवं 33 एल.बी.एस. पैलेडियम प्राप्त होता है ।
- एक कम्प्यूटर एवं मॉनिटर निर्माण करने के लिए 530 एल.बी.एस. जीवाश्म ईंधन, 48 एल.बी.एस. केमिकल एवं 1.5 टन पानी लगता है ।
- यू.एन.की के रिपोर्ट के अनुसार भारत 2014 में विश्व का पांचवा ई-वेस्ट उत्पादक देश रहा ।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीदने के पूर्व हमारा कर्तव्य

- उपकरण रीसायकल आसानी से हो जावे ।
- उर्जा की बचत करे ।
- कम विषैले पदार्थों से बना हो ।
- सर्टिफाइड हो ।

एनविस सेन्टर
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल
रायपुर (छत्तीसगढ़)